राज्य में प्रमुख खनिज
शानदार नोट्स फ्री डाउनलोड
राजस्थान GK PDF
राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु
------Download Now------

सामान्य विज्ञान
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
Click Here

भारत GK
◆ प्रश्नोत्तरी ◆ नोट्स
सम्पूर्ण PDF
Click Here डाउनलोड

RAJASTHAN CET
सामान्य हिन्दी
Download Now

सामान्य ज्ञान
5100+ प्रश्न

राजस्थान GK
LIVE CLASS PDF
DAILY UPDATE

राजस्थान

धात्विक खनिज

प्रदेश में खनिज सम्पदा-I

• राजस्थान प्रमुख खनिजों की ई-निलामी करने वाला देश का पहला राज्य बना। राजस्थान को खनिजों का अजायबघर (राजस्थान 81 किस्मों के खनिजों से समृद्ध है जिसमें से 57 खनिजों का उत्पादन हो रहा हैं।) कहते हैं-खनिज भण्डारों की दृष्टि से झारखण्ड के बाद राजस्थान देश में दूसरा स्थान रखता हैं तथा खनिजों की आय की दृष्टि से राजस्थान का देश में पाँचवां स्थान है। • देश में सर्वाधिक खानें राजस्थान में है और राजस्थान में भी अरावली प्रदेश और पठारी प्रदेश खनिजों से सम्पन्न प्रदेश हैं। • अलौह खनिजों में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है जबकि लौह खनिजों की दृष्टि से राजस्थान का चतुर्थ स्थान है। • राजस्थान सीसा जस्ता, संगमरमर, चाँदी, तामड़ा, पन्ना, रॉकफास्फेट, कैडमियम, ऐस्बेस्टोस, फायरक्ले, जिप्सम आदि में देश में एकाधिकार रखता है। • राजस्थान का टंगस्टन, जिप्सम, ताँबा, ऐस्बेस्टास, सिलिका, इमारती पत्थर, चूना पत्थर, अभ्रक फैल्सपार आदि खनिजों में देश में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है जबकि लोहा, मैंगनीज, कोयला, पेट्रोलियम, ग्रेफाइट, कियोनाइट, बेन्टेनाइट, डर्मेलाइट आदि खनिजों की राजस्थान में कमी है। राजस्थान में स्टील ग्रेड चूना 'जैसलमेर व नागौर' जिले में पाया जाता है। राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल लिमिटेड उपक्रम राजस्थान के अधात्विक खनिजों के उत्पादन और मार्केटिंग के लिए उत्तरदायी है।

• **टंगस्टन**-यह धातु बुल्फ्रेमाइट अयस्क से प्राप्त होती है। देश की एक मात्र सबसे बड़ी टंगस्टन की खान-डेगाना (नागौर जिले) के भाकरी गाँव में रेव पहाड़ी पर स्थित है। टंगस्टन उच्च गलनांक वाली धातु है जो सामरिक कार्यों में व विद्युत समान बनाने में उपयोगी है। उत्पादक क्षेत्र-डेगाना (नागौर), वाल्दा (सिरोही)।

• **मैंगनीज**-यह धातु मुख्यतया पायरोल्युराइट, ब्राउनाइट, राइलोमिलोन के रूप में मिलता है जो इस्पात को कठोर बनाने में, रंग रोगन में, चीनी मिट्टी के बर्तनों में, उर्वरकों आदि में प्रयोग में आता है। उत्पादक क्षेत्र-सर्वाधिक बाँसवाड़ा, उदयपुर, जयपुर आदि में। खनिज नीति 2015 के अनुसार देश के कुल टंगस्टन अयस्क संसाधन में राजस्थान का 17% प्रतिशत हिस्सा है।

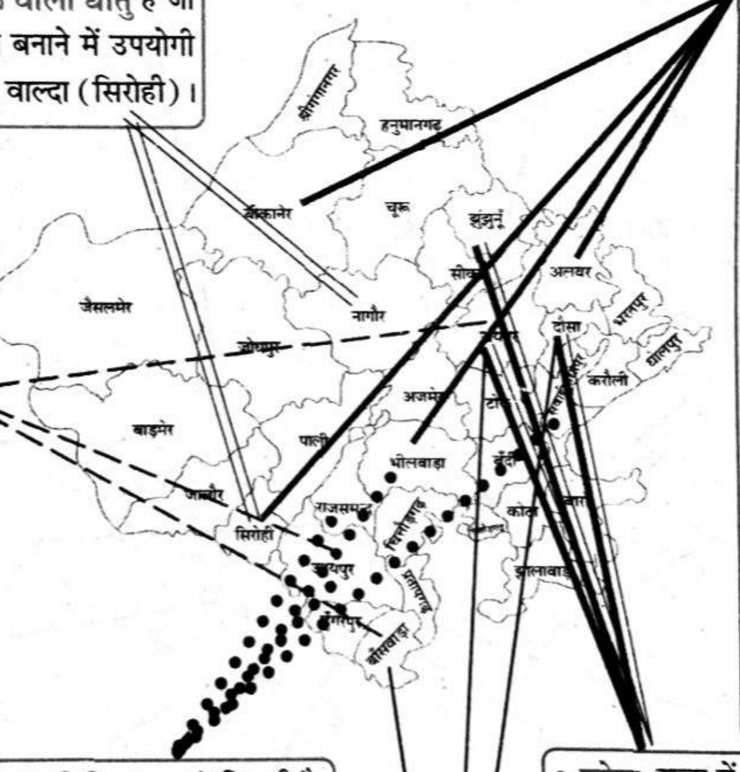

• **ताँबा**-यह अलोह धातु में महत्त्वपूर्ण खनिज है जो बहुत ही लचीला व बिजली का उत्तम सुचालक है। राजस्थान का उत्पादन की दृष्टि से झारखण्ड के बाद देश में दूसरा स्थान है। देश की सबसे बड़ी ताँबे की खान खेतड़ी सिंघाना (झुंझुनू) में है अत: झुंझूनू को ताँबा जिला कहते हैं। खेतड़ी में भारत सरकार का ''हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड'' उपक्रम अमेरिका की सहायता से लगा हुआ है। उत्पादक क्षेत्र-खेतड़ी सिंघाना (झुंझुनू), खो-दरीबा (अलवर), बन्नी वालों की ढाणी (सीकर), पुर दरीबा, बनेड़ा (भीलवाडा), बींदासर (बीकानेर), आबूरोड (सिरोही) में। चाँदमारी ताम्र परियोजना राजस्थान के झुंझुनूं जिले में कार्यरत है।

• **सीसा, जस्ता व चाँदी**-यह तीनों धातु मिश्रित रूप में मिलती है अत: इसके अयस्क को ''गैलेना'' कहते हैं। राजस्थान की सबसे बड़ी सीसे की खान जावर (उदयपुर) में है। इनके उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है, उदयपुर के देबारी गाँव में भारत सरकार का ''हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड'' का कारखाना है जिसे अवैध खनन को रोकने हेतु उच्चतम न्यायालय द्वारा बन्द करवा दिया गया है, जबकि चन्देरियाँ (चित्तौड़गढ़) में ब्रिटेन की सहायता से ''सुपर जिंक स्मेल्टर'' संयंत्र स्थापित किया गया है जिसका एशिया में प्रथम स्थान है। उत्पादक क्षेत्र-जावर, देबारी (उदयपुर) में, रामपुरा, आगूँचा (भीलवाड़ा) में, राजपुरा, दरीबा (राजसमन्द) में, चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) आदि में।

• **लोहा**-राज्य में सर्वाधिक हेमेटाइट किस्म का जबकि कुछ मैग्नेटाइट किस्म का लोहा मिलता है, सर्वाधिक लोहा जयपुर में, जबकि सर्वाधिक कच्चा लोहा कानपुरा से निकाला जाता है। उत्पादक क्षेत्र-मोरीजा बनोला, चौमूँ (जयपुर), नीमला राइसेला (दौसा), डाबला, सिंघाना (झुंझनू), नाथरा की पाल, थुर हुण्डेर (उदयपुर) में)

• **सोना**-जगपुरा (बाँसवाड़ा) में सोना दोहन कार्य 'हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड' द्वारा किया गया था लेकिन यहाँ स्वर्ण भण्डार गहराई पर होने से दोहन संभव नहीं हो पाया। उत्पादक क्षेत्र-आनन्दपुरी, भूकिया (बाँसवाड़ा), धानी बासडी (दौसा), धानोटा (झुझूंनू) में।

राजस्थान

अधात्विक खनिज

अधात्विक खनिजों के कुल राष्ट्रीय उत्पादन में राजस्थान का 25% प्रतिशत भाग है।

प्रदेश में खनिज सम्पदा-II

• **खनिज तेल / पेट्रोल**- यह अवसादी चट्टानों से प्राप्त होता है जो हाइड्रोकार्बन का मिश्रण होता है। पेट्रोल उत्पादन में राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है। गुढ़ामलानी (बाड़मेर) में पेट्रोल विश्व में सबसे कम गहराई पर तथा उत्तम श्रेणी का मिलता है, तो बाड़मेर का सांचोर क्षेत्र पेट्रोल के लिए प्रसिद्ध है। मंगला, विजया, भाग्यम, सरस्वती, राजेश्वरी नाम से बाड़मेर में तेल के कुएँ है। उत्पादक क्षेत्र- मग्गा की ढाणी, शिव, डाला नाडा, फतेह नाडा (बाड़मेर) में, सांढेवाला, तनोट (जैसलमेर) में, बागेवाला तुवरीवाला (बीकानेर) में रावलामण्डी, नानूवाला, चिन्नेवाला (गंगानगर) में। एच.पी.सी.एल. (राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड) के रिफाइनरी सह पैट्रोकेमिकल संकुल का शिलान्यास 22 सितम्बर, 2013 को पंचपदा (बाड़मेर) में श्रीमती सोनियां गाँधी ने किया।

• **प्राकृतिक गैस**-राजस्थान में सर्वप्रथम 1956 में हवाई चुम्बकीय सर्वेक्षण के द्वारा जैसलमेर में प्राकृतिक गैस व तेल के भण्डार मिले। उत्पादक क्षेत्र- डांडेवाला, कमतीताल, घोटारू (यहाँ हीलियम व मीथेन गैस के भण्डार मिले हैं), तनोट, मनिहारी टीब्बा, ऐश्वर्या गैस कुआँ (जैसलमेर) में, रागेश्वरी पाँच, कामेश्वरी कुआँ (बाड़मेर) में।

• **कोयला**- कोयले के भण्डारों की दृष्टि से देश में तमिलनाडु के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान में सर्वाधिक लिग्नाइट (भूरा) कोयला पाया जाता है, तो राजस्थान में सर्वाधिक कोयला कपूरड़ी (बाड़मेर) में जबकि सर्वश्रेष्ठ लिग्नाइट कोयला पलाना (बीकानेर) में मिलता है। उत्पादक क्षेत्र- कपूरड़ी, जालिपा, गिरल (बाड़मेर) में, पलाना, बरसिंगसर, घानेर, गुढ़ा, गंगासर, बीकानेर में, मेड़ता रोड़, सोनारी, मातासुख कसनाऊ (नागौर) में।

• **जिप्सम / सेलखड़ी / हरसोंठ**- इसके उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है। इसके रवेदार रूप को सेलेनाइट कहते हैं। इसका उपयोग मिट्टी की क्षारीयता व लवणता की समस्या को दूर करने में व उर्वरक खजिन बनाने में किया जाता है। उत्पादक क्षेत्र- गोठ-माँगलोद, भदँवासी (नागौर), जामसर (बीकानेर), मोहनगढ़ (जैसलमेर) में।

• **पन्ना / हरी अग्नि / संस्कृत में मरकत या ताक्ष्र्य / अंग्रेजी में एमरल्ड**- देश में इसके उत्पादन में राजस्थान का एकाधिकार है। यह एक हरे रंग का बहुमूल्य पत्थर है। उत्पादक क्षेत्र- कालागुमान (राजसमंद) (राजस्थान में सर्वप्रथम 1943 में यहाँ पता चला)-उदयपुर में, डूंगरपुर में।

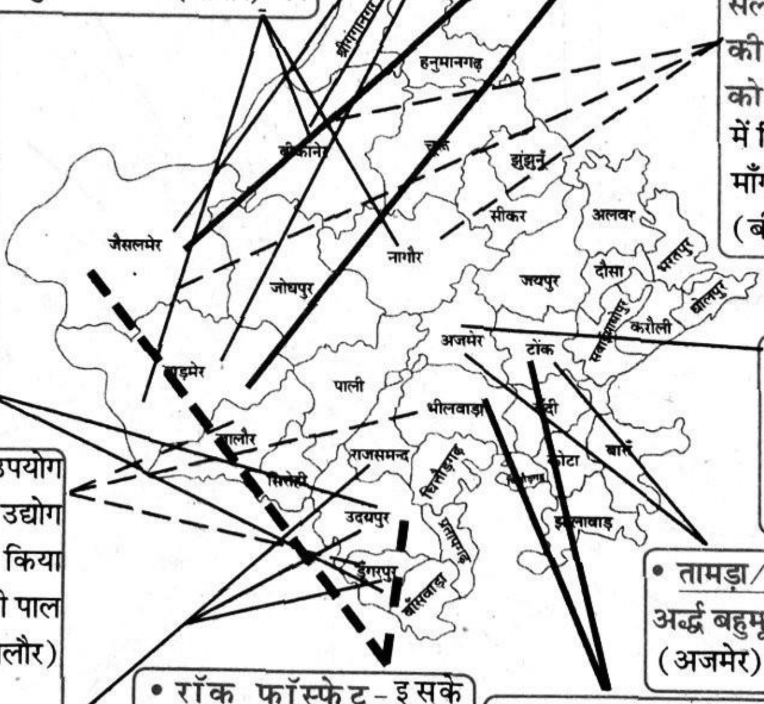

• **फेल्सफार**- भारत का 61% फेल्सफार राजस्थान में जबकि राजस्थान का 96% फेल्सफार मकरेड़ा (अजमेर) में मिलता है।

• **फ्लोर्सपार / फ्लोराइट**- इसका उपयोग कीटनाशक दवाई बनाने में, सिरेमिक उद्योग में, हाइड्रोक्लोरिक अम्ल बनाने में किया जाता है। उत्पादक क्षेत्र- माण्डवा की पाल (डूंगरपुर) में, करारा, भीनमाल (जालौर) में, आसींद (भीलवाड़ा) में।

• **तामड़ा/गारनेट/रक्तमणि**- यह लाल रंग का अर्द्ध बहुमूल्य पत्थर है। उत्पादक क्षेत्र- सरवाड़ (अजमेर) में, राजमहल (टोंक) में।

• **ऐस्बेस्टोस**- देश में इसके उत्पादन में राजस्थान का एकाधिकार है। यहाँ देश का 90 प्रतिशत ऐस्बेस्टोस मिलता है। यह दो प्रकार (क्राइसोलाइट व एम्फीबॉल) का होता है। राजस्थान में एम्फीबॉल किस्म का ऐस्बेस्टोस मिलता है। इसका उपयोग सीमेन्ट की चादरें व टाइल्स बनाने में किया जाता है। उत्पादक क्षेत्र- ऋषभदेव, खैरवाड़ा, सलूम्बर (उदयपुर) में, डूंगरपुर में, राजसमन्द में।

• **रॉक फॉस्फेट**- इसके उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है। इसके शुद्धिकरण हेतु उदयपुर में परिशोधन सयंत्र लगाया गया है। इसका उपयोग खनिज उर्वरक "सुपर फॉस्फेट" बनाने में किया जाता है। उत्पादक क्षेत्र- झामर कोटड़ा (उदयपुर) में, बिरमानियां व लाठी क्षेत्र (जैसलमेर) में।

• **अभ्रक**- यह आग्नेय व कायान्तरित चट्टानों से प्राप्त होता है। सफेद रंग की अभ्रक को रूबी व हल्की गुलाबी रंग की अभ्रक को बायोटाइट कहते हैं। अभ्रक अज्वलनशील खनिज है जो विद्युत का कुचालक है। इसका उपयोग वायुमण्डल उपग्रह व बिजली के सामान बनाने में किया जाता है। धातुओं को पिघलाने वाली धमन भट्टियों में इसका लेप चढ़ा होता है। देश में बिहार, उत्तरप्रदेश के बाद राजस्थान का तीसरा स्थान है। अभ्रक की चादरें बनाने का करखाना "माइकेनाइट" भीलवाड़ा में है। उत्पादक क्षेत्र- दांता, भूणास, बनेडी, फुलिया (भीलवाड़ा) में, बरला, मानखण्ड, धौली (टोंक) में।

राजस्थान

इमारती पत्थर

प्रदेश में खनिज सम्पदा-III

राजस्थान में स्टोन्स विकास केन्द्र (सेंटर फॉर डेवलपेंट ऑफ स्टोन्स) की स्थापना 1998 को जयपुर में की गई। • संगमरमर-यह कायान्तरित / रूपान्तरित चट्टान है जो चूने के पत्थर (अवसादी) से बनता है। संगमरमर के उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है। राजस्थान में सर्वाधिक संगमरमर राजसमन्द में जबकि सबसे अच्छी किस्म का संगमरमर मकराना (नागौर) में मिलता है, जिससे ताजमहल बना है। संगमरमर पत्थरों में सर्वाधिक मूल्य अर्जित करता है। • ग्रेनाइट-यह आग्नेय चट्टान में मिलता है, जो कि कठोर होता है। विश्व में यह सबसे महंगा पत्थर है। राज्य में मुख्यत: ग्रेनाइट छप्पन की पहाड़ी सिवाना (बाड़मेर) से प्राप्त होता है। जालौर को 'ग्रेनाइट सिटी' कहते हैं। राजस्थान के 23 जिलों में ग्रेनाइट पाया जाता है। • इमारती पत्थर-इस पत्थर के उत्पादन में राज्य का देश में प्रथम स्थान है जबकि राज्य में जोधपुर का स्थान प्रथम है। • चूना पत्थर / लाइम स्टोन-यह अवसादी चट्टानों से प्राप्त होता है। यह राज्य में सर्वाधिक तथा सर्वव्यापी खनिज है। इसका उपयोग सीमेन्ट उद्योग में होता है। उत्पादक क्षेत्र-सोनू (जैसलमेर)। • मुल्तानी मिट्टी-राजस्थान में भारत की 90% मुल्तानी मिट्टी पाई जाती है। इसका उपयोग विरंजक के रूप में व सौन्दर्य प्रसादन के रूप में होता है। • बेन्टोमाइट-यह पानी में भिगौने पर फुल जाती है। इसका उपयोग वनस्पति तेल व खनिज तेल को साफ करने में होता है। उत्पादक क्षेत्र-हाथी की ढ़ाणी, गिरल (बाड़मेर) में।

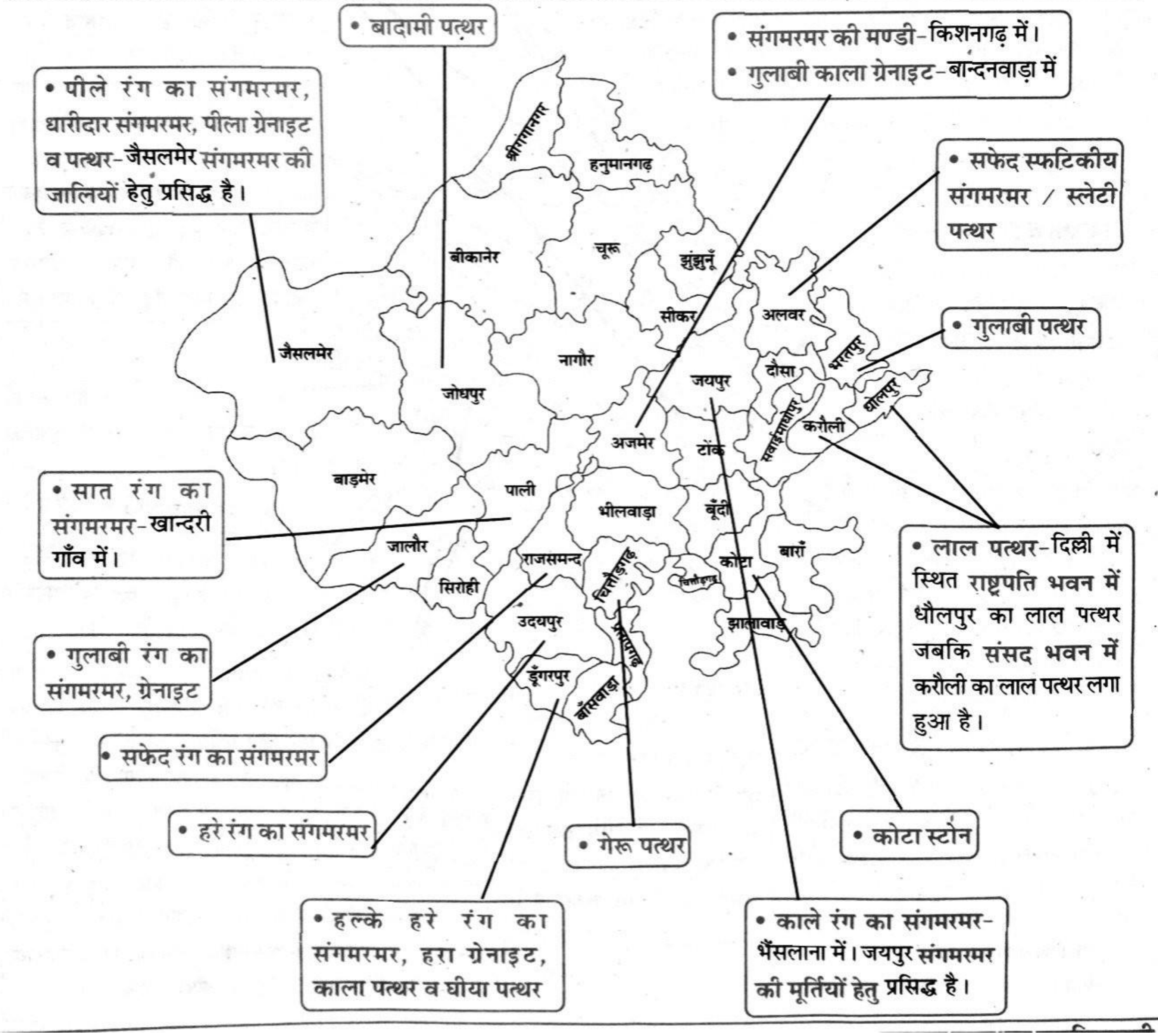

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

- विषयवार ई- बुक यहाँ से देखे
- Youtube पर ऑनलाइन क्लासे देखे
- लेटेस्ट पोस्ट (GK क्विज)
- 1000 प्रश्न ई-बुक Download
- राजस्थान GK ई- बुक डाउनलोड
- Computer E- book Download
- Rajasthan Gk Questions
- India Gk Questions
- One Liner Gk Questions

राजस्थान सामान्य ज्ञान

वन लाइनर प्रश्न-उत्तर

500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान

लाइव क्लास की सभी पीडीएफ

फ्री डाउनलोड करें

क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

SSC GD

All Old Paper PDF

Solved Paper

PDF DOWNLOAD